भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4150 का उत्तर

कोविलपालयम रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

4150. श्री ईश्वरस्वामी के.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि कोयंबटूर-पोल्लाची लाइन पर कोविलपालयम रेलवे स्टेशन बड़ी लाइन में बदलने के बाद से अक्रियाशील है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कोविलपालयम में यात्री प्लेटफॉर्म के पुनर्निर्माण और कोयंबटूर-पोल्लाची पैसेंजर ट्रेन के ठहराव प्रदान करने के लिए किसी प्रस्ताव पर विचार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत या कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष के माध्यम से ऐसे कार्यों को निष्पादित करने की व्यवहार्यता की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) कोविलपालयम स्टेशन के प्रस्तावित पुनरुद्धार के लिए अनुमानित लागत और समय-सीमा क्या है और इसे तेज करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): कोविलपालयम स्टेशन पहले पोत्तनूर-पोल्लाच्चि मीटर लाइन खंड पर मौजूद था। इस खंड के आमान परिवर्तन के दौरान कम लोकप्रियता के कारण इसे बंद कर दिया गया था। बहरहाल, कोविलपालयम में एक नए स्टेशन उपलब्ध करने की व्यवहार्यता पर विचार किया गया है।

तमिलनाडु:-

रेल बजट:-

पिछले कुछ वर्षों में बजट आबंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹879 करोड़/प्रतिवर्ष
2025-26	₹ 6,626 करोड़ (7.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:-

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत पर 1,700 किलोमीटर लंबाई वाली 15 परियोजनाओं (09 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) को स्वीकृति प्रदान की गई है। संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,471
दोहरीकरण/बहुपथन	3	140	37	2,783
कुल	15	1,700	665	7,591

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

<u>हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पलनि-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 कि.मी.)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 कि.मी.)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 कि.मी.)	400
4	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरुच्चेंदुर आमान परिवर्तन (357 कि.मी.)	1,122
5	मयिलाडुतुरै-तिरुवारूर-कारैक्कुडि आमान परिवर्तन (187 कि.मी.)	1,338
6	मदुरै-बोडिनायक्कनूर आमान परिवर्तन (90 कि.मी.)	593
7	चेंगलपट्टु-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 कि.मी.)	670
8	तिरुवल्लूर-अरक्कोणम चौथी लाइन (27 कि.मी.)	83
9	चेन्नै सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 कि.मी.)	31
10	तंजावूर-पोन्मल्लै दोहरीकरण (48 कि.मी.)	370
11	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 कि.मी.)	2,000
12	चेन्नै बीच-कोरुक्कुपेट्टै तीसरी लाइन (5 कि.मी.)	168
13	चेन्नै बीच-अत्तिपट्टु चौथी लाइन (22 कि.मी.)	293
14	ओमलूर-मैट्टूरडैम कहीं कहीं दोहरीकरण (29 कि.मी.)	327
15	चेंगलपट्टु-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टु तीसरी लाइन (133 कि.मी.)	1,122
16	सेलम-मैगनेसाइट जं.-ओमलूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	115
17	मदुरै- मणियाच्चि-तुत्तुक्कुडि दोहरीकरण (160 कि.मी.)	1,891
18	मणियाच्चि-नागरकोविल दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,752

19	चेन्नै बीच-चेन्नै ऐषुंबूर दोहरीकरण (4 कि.मी.)	272
20	कारैक्काल-पेरलम नई लाइन (23 कि.मी.)	373
21	नॉर्दन एंड पोर्ट से कारैक्कल पोर्ट तक संपर्क (1 कि.मी.)	18

<u>चालू परियोजनाएं:-</u>

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें हाल ही में शुरू किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नागरि नई लाइन (184 कि.मी.)	3,631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरि नई लाइन (36 कि.मी.)	359
3	नागप्पट्टिनम-तिरुतुरैपुंडि नई लाइन (43 कि.मी.)	742
4	तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	3,785
5	अरक्कोणम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 कि.मी.)	98
6	पेरम्बूर - अम्बत्तुर पांचवीं और छठी लाइन (6 कि.मी.)	178
7	इरुगुर-पोदनूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	277
8	तांबरम-चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 कि.मी.)	757
9	अट्टीपट्टू-गुम्मिडिपंडी तीसरी और चौथी लाइन (23 कि.मी.)	375
10	तिरुपति-पकाला-कटपाडी दोहरीकरण (105 कि.मी.)	1332
11	तिण्डिवनम-गिंगी-तिरुवन्नामलाई नई लाइन (71 कि.मी.)	1400
12	अट्टीपट्टू - पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	1700
13	महाबलीपुरम के रास्ते चेन्नई - कुड्डुलोर नई लाइन (179 कि.मी.)	2670

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रूका हुआ है। तमिलनाडु राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिण्डिवम्नम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 कि.मी.)	276	33	243
2.	अत्तिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	189	0	189
3.	मोरप्पूर-धर्मपुरि नई लाइन (36 कि.मी.)	92	45	47
4.	मन्नारगुडि-पट्टुक्कोट्टै नई लाइन (41 कि.मी.)	196	0	196
5.	तंजावुर-पट्टुक्कोट्टै नई लाइन (52 कि.मी.)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुषकोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया था। परियोजना का शिलान्यास दिनांक 01.03.2019 को किया गया था। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं की जा सकी क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है हालांकि इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम छोर संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्द्धन**
- **राज्य सरकारों/केन्द्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें,**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएं**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल है:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******